सरदार वल्लभ भाई पटेल- 143 वीं जयंती पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण!

सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय राजनीति में एक सम्मानित नाम है। वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेरक शक्ति थी और स्वतंत्रता के बाद भारत के एकीकरण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह भारत के **पहले गृह मंत्री** थे। इसके साथ ही देश के प्रति उनके दृढ़ व सराहनीय प्रयासों के कारण उन्हें भारत का **'आयरन मैन'** नाम दिया गया। 31 अक्टूबर को, हर साल भारत सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती मनाता है। 2014 से इस दिन को '**राष्ट्रीय एकता दिवस**' के रूप में मनाया जा रहा है। सरदार वल्लभ भाई के अतुलनीय कार्य के बारे में जानने के लिए इस लेख अंत तक पढ़ें।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बारे में कुछ रोचक तथ्य

1. देश के पहले गृह मंत्री व आयरन मैन सरदार वल्लभ भाई पटेल की 143 वी जंयती के अवसर पर यानि कि बुधवार 31 अक्टुबर 2018 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया गया।
2. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ऊँचाई 182 मीटर है, यह सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधू बेट नामक स्थान पर है जो गुजरात के वड़ोदरा में स्थित है।
3. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ऊँचाई अमेरिका के स्टैच्यू ऑफ लिबर्ट्री से दोगुनी है तथा इसकी निमार्ण लागत 2,989 करोड़ है।
4. यह दुनिया की सबसे ऊंची स्मारक है तथा गुजरात 182 निवार्चन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने के उद्देश्य से इसकी ऊँचाई 182 मीटर रखी गयी है।
5. मूर्ति गंभीर हवा वेग और भूकंप का सामना कर सकती है। मूर्ति के लिए आवश्यक लोहा पूरे भारत के विभिन्न गांवों से मंगाया गया है।
6. मूर्ति को पद्म भूषण विजेता मूर्तिकार राम वी सुता द्वारा डिजाइन किया गया है।
7. यहाँ की गैलरी में एक बार में 200 आगंतुकों (विज़िटर्स) को समयोजित किया जा सकता है।
8. मूर्ति जनता के लिए खुलने के बाद, अधिकारियों को हर दिन लगभग 15,000 आगंतुकों (विज़िटर्स) की आने की उम्मीद है।
9. संग्रहालय में 40,000 दस्तावेज, 2,000 तस्वीरें और सरदार पटेल के जीवन को समर्पित एक शोध केंद्र है।

सरदार वल्लभभाई पटेल - सरदार की उपाधी प्राप्त करने की कहानी

- सन 1918 में सरदार पटेल ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ कर नहीं अदा करने के लिए आंदोलन किया। इस शांतिपूर्ण आंदोलन ने ब्रिटिश सरकार को किसानों की जमीने लोटाने के लिए मजबूर किया, जिसे उन्होंने टैक्स अदा न कर पाने के कारण किसानों से छिन ली थी।
- 1928 में फिर से, बारडोली के किसानों ने कर में वृद्धि की समस्या का सामना किया। सरदार वल्लभाई पटेल की लगातार बातचीत के बाद, किसानों को अपनी जमीन वापस दे दी गयी।
- अपने क्षेत्र के किसानों को एक साथ लाने के उनके दृढ़ प्रयास ने उन्हें 'सरदार' का खिताब दिलाया।
- उन्होंने सक्रिय रूप से गांधी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। पटेल ने उनके साथ राष्ट्र का दौरा किया, 300,000 सदस्यों की भर्ती की और 1.5 करोड़ रुपये जमा करने में सहायता की।
- 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लेने वाले नेताओं में सरदार पटेल भी एक थे। जिन्हें अन्य लोगों के साथ जेल जाना पड़ा था। 1931 में महात्मा गांधी और भारत के वाइसराय लॉर्ड इरविन के समझौते के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। जो गांधी-इरविन समझौते के रूप में जाना जाता है।
- 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में गांधी जी के फैसले का कई नेताओं ने आलोचना की लेकिन सरदार पटेल ने लगातार महात्मा गांधी को अपना समर्थन देना जारी रखा।

स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका

- स्वतंत्र भारत के सरदार वल्लभाई पटेल पहले गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री थे।
- उन्होंने भारतीय अधिराज्य के तहत 562 रियासतों को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश अधिकारियों ने इन शासकों को दो विकल्प दिए थे - वे भारत या पाकिस्तान में शामिल हो सकते थे, या वे स्वतंत्र रह सकते हैं।
- सरदार पटेल ने जम्मू-कश्मीर, जुनागढ़ और हैदराबाद को छोड़कर अन्य रियासतों को एकीकृत करनें में सफल रहे। सभी को एकीकृत करने में सफल रहे। अंततः उन्होंने अपने तेज राजनीतिक कौशल के साथ स्थिति का सामना किया।
- सरदार पटेल भारत की संविधान सभा के अग्रणी सदस्य थे और डॉ बीआर अम्बेडकर को उनकी सिफारिशों पर ही नियुक्त किया गया था।
- वह भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना के प्रमुख थे।
- सितंबर 1947 में कश्मीर पर आक्रमण करने के पाकिस्तान के प्रयासों के साथ पटेल ने काफी निर्दयतापूर्वक व्यवहार किया। उन्होंने सेना के तत्काल विस्तार की निगरानी की और अन्य बुनियादी ढांचे के सुधारों पर भी कार्य किया

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

- सरदार वल्लभभाई पटेल को 1991 में भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

- कर्म्सड में उनके घर को उनकी याद में संरक्षित किया गया है, 1980 में सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक की स्थापना की गयी, जिसमें एक संग्रहालय, चित्रों की एक गैलरी और ऐतिहासिक चित्र और एक पुस्तकालय है।
- देश के प्रमुख संस्थानों सहित भारत में कई शैक्षिक संस्थानों का नाम उनके नाम पर रखा गया है

1. सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
2. सरदार पटेल विश्वविद्यालय
3. सरदार पटेल विद्यालय

- सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी और इसलिए उन्हें भारत की सेवाओं के 'संरक्षक संत' के रूप में जाना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की मौत

1950 में सरदार वल्लभभाई पटेल के स्वास्थ्य में गिरावट शुरू हुई। उन्हें एहसास हुआ कि वह ज्यादा समय तक जीवत नहीं रह पाएंगे। 2 नवंबर 1950 को, उनका स्वास्थ्य और खराब हो गया और वह बिस्तर पर ही रहने लगे। 15 दिसंबर 1950 में दिल का दौरा पड़ने के बाद, भारत के आयरन मैन ने दुनिया को अलविदा कह दिया। 1991 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया था।

हमें आशा है कि आपको सरदार वल्लभभाई पटेल का यह लेख पसंद आया होगा। सामान्य ज्ञान से जुड़े अन्य लेख को पढ़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जाएं-

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2018	होमी भाभा भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पिता
नोबेल पुरस्कार विजेता 2018	मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम
भारतीय चुनाव के प्रकार (भाग-II)	पराक्रम पर्व 2018

जैसा कि हम सब जानते हैं कि सतत अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी है, इसलिए अधिक से अधिक प्रश्नों को हल कर परीक्षा में सफलता प्राप्त करें।

फ्री में प्रश्नों का अध्ययन करें

इसके अलावा, टेस्टबुक पर अपने संदेहों को दूर करने के लिए अपने साथी उम्मीदवारों और हमारे विशेषज्ञों से बात करें:

CURRENT AFFAIRS
FASTEST WAY TO PREPARE
CURRENT AFFAIRS
GET IT ON Google Play

टेस्टबुक डिसकस पर जायें

testbook.com